Report on Training cum Awareness Programme on Registration of Farmer's Variety through PPV & FRA, New Delhi at Vill. Desua Bhagwanpur, Ujiarpur, Samastipur (Bihar) on 25th March 2026

The Protection of Plant Varieties and Farmers' Rights Act (PPV&FRA), 2001, is a landmark legislation enacted by the GOI to safeguard the rights of farmers and plant breeders while promoting the development of new plant varieties. The Act recognizes the invaluable contribution of farmers in conserving, improving, and making available plant genetic resources. It provides legal protection to plant varieties and ensures benefit-sharing, thereby strengthening the agricultural sustainability and biodiversity conservation.

A Training cum Awareness Programme on Registration of Farmer's Variety through PPV & FRA, New Delhi was organized by ICAR-Central Institute for Subtropical Horticulture, Lucknow at Vill. Desua Bhagwanpur, Ujiarpur, Samastipur (Bihar) on 25th March 2026. The programme was sponsored by Bihar State Biodiversity Board, Patna (Department of Environment, Forest and Climate Change, Govt. of Bihar).

Fig 1. Banner and inauguration by the Chief guest and other resource person/dignitaries

The programme was designed to create awareness among farmers regarding their rights under the Act and to equip them with practical knowledge on the process of registration and importance of conservation of their indigenous crop varieties.

The Programme were attended by Shri Bharat Jyoti, Chairman, Bihar State Biodiversity Board (BSBB), Patna as Chief Guest; Shri. Hemkant Rai, Joint Director, Bihar State Biodiversity Board (BSBB), Patna and Dr. R K Tiwari, Head, KVK, Birauli (Samastipur), Dr. Sunita Kushwaha, Head, KVK, Lada (Samastipur). Dr. Dhiru Kumar Tiwari, SMS (Horticulture), KVK, Birauli (Samastipur) attended the programme.

Fig. 2. Address to the farmers by Chief Guest, Shri. Bharat Jyoti, Chairman (BSBB, Patna) and Former Director (*Indira Gandhi National Forest Academy, Dehradun, India*)

More than 75 farmers (mostly men) from different blocks of Samastipur (Bihar) and few farmers from nearby Muzaffarpur and Darbhanga district of Bihar attended the programme.

A detailed presentation on PPV & FR Act, 2001 was done by Dr. Sanjay Kumar Singh, Principal Investigator, *DUS-Aonla/Bael/Karonda* and Co- PI, *DUS-Mango*, ICAR-CISH, Lucknow. The farmers were also explained the registration process and the queries of the farmers were answered.

Dr. Muthukumar, M., In-charge, ITMU, ICAR-CISH, Lucknow, delivered his presentation on *Varietal Protection of Mango, Aonla, Bael, Jackfruit and Karonda*. He also requested the farmers and farming communities to come forward for registration.

Shri. Bharat Jyoti, Chairman, Bihar State Biodiversity Board (BSBB), Patna delivered the talk on '*Conservation of Native Horticultural Crops of Bihar'*. He called upon importance of Biodiversity Management Committee at block and district level, how to conserve Heritage tree and its registration with PPV&FRA. He exhorted the farmers through proverb 'संकर किस्मो से बैर नहीं लेकिन देसी किस्मो से प्यार है'. Shri. Hemkant Rai, Joint Director, BSBB, Patna discussed on '*Concept and Scope of Biodiversity Protection'*. The team also visited nearby orchard on Jackfruit, Bael, Mango, Aonla and Karonda.

Fig 3. Visit of the farmers field where at least 5 variety on mango have be filed for registration as Farmer's variety

The programme was organized by Shri. Kaushal Prasad Singh, a progressive farmer of Bhagwanpur Desua and a custodian farmer of mango i.e. Shri. Vinod Kumar Rai (Jagdishpur, Pusa, Samastipur). It effectively achieved its objectives of creating awareness and building capacity among farmers regarding registration of farmers' varieties under PPV&FRA. The programme is expected to contribute towards conservation of traditional variety and empowerment of farmers.

The News on the awareness programme was published in largely circulated Hindi Daily 'Prabhat Khabar' and 'Hindustan' in its issue on 26th March 2026.

भगवानपुर देसुआ पंचायत सरकार भवन में संरक्षण व मूल्य संवर्धन एवं बाजारीकरण विषय पर कार्यशाला

पुराने पेड़ों को विरासत के रूप में संरक्षित करने पर जोर

प्रतिनिधि, उजियारपुर

प्रखंड के भगवानपुर देसुआ पंचायत सरकार भवन में बुधवार को किसानों के किस्मों का संरक्षण व मूल्य संवर्धन एवं बाजारीकरण विषय पर कार्यशाला हुई. किसान-श्री कौशल प्रसाद सिंह ने अध्यक्षता की. उद्घाटन कृषि वैज्ञानिकों एवं पदाधिकारियों ने किया. केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान लखनऊ एवं राज्य जैव विविधता परिषद पटना द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जैव विविधता परिषद के राज्याध्यक्ष भारत ज्योति ने संबोधित करते हुए कहा कि आम, जामुन, कटहल, बेल, आंवला, गागर निम्बू के अलावा अगर किसी किसान के पास चह, बरगद, पीपल, नीम, जलेबी, बड़हर के बहुत पुराने पेड़ हों तो उन्हें सूचित करें. उस पेड़ को विरासत वृक्ष के रूप में संरक्षित किया जायेगा. डा भरत ज्योति ने यह नारा बुलंद किया कि संकर किस्मों से बैर नहीं, लेकिन देसी किस्मों से प्यार है. केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान लखनऊ के प्रधान वैज्ञानिक डा संजय कुमार सिंह ने बिहार में उपलब्ध बीजू आम, बेल, आंवला, कटहल, जामुन, शरीफा, करौंदा, बेर के बारे में बताते हुए कहा कि कृषक किस्म का निबंधन, पौधा किस्म एवं कृषि अधिकार संरक्षण प्राधिकरण नई दिल्ली के माध्यम से कैसे करें इसके संबंध में बताया. वैज्ञानिक डा मनोहर मुत्थु कुमार ने कृषक किस्म के व्यवसायीकरण के बारे में बताया.

कृषि विज्ञान केन्द्र विरौली के प्रमुख डा आरके तिवारी ने मोटा अनाज एवं इनके प्रसंस्करण द्वारा विविधता विस्तार पर चर्चा की. कृषि विज्ञान केन्द्र लादा के अध्यक्ष डा सुनीता कुशवाहा ने जैव विविधता में राज्य हाइवे, राष्ट्रीय उच्च पंथों के बगल में पौध लगाकर पेड़ों की संख्या बढ़ाने का उपाय बताया. कृषि विशेषज्ञ डा धीरु कुमार तिवारी ने किसानों के बाग संरक्षण में आने वाले कठिनाइयों के उपाय करने के बारे में बताया. बिहार राज्य जैव विविधता पटना के संयुक्त निदेशक हेमकांत राय ने जैव विविधता पर राज्य सरकार द्वारा दी जा रही सहयोग के बारे में बताया. संचालन किसान सलाहकार देवेश कुमार रंजन ने किया. मौके पर प्रखंड तकनीकी प्रबंधक मुकेश कुमार, जगदीशपुर के प्रगतिशील किसान विनोद कुमार राय, आत्मा समस्तीपुर के बीएओ राहुल कुमार, जैव विविधता प्रबंधन समिति अध्यक्ष रामानंद सिंह, शंकर प्रसाद सिंह, मनोज दास, नंदकिशोर राय, विभूति प्रसाद सिंह, भाग्य नारायण सिंह, संजय चौधरी, मनोज कुमार सिंह, योगेंद्र चौरसिया, जगदीश प्रसाद सिंह मौजूद थे.

कार्यशाला का उद्घाटन करते अतिथि.

हिन्दुस्तान

देसुआ में किसान संवाद कार्यक्रम का किया गया आयोजन

प्राचीन वृक्षों का संरक्षण करें, होगा पंजीकरण

बोले कृषि वैज्ञानिक

उजियारपुर, निसं। प्राचीन वृक्षों का किसान संरक्षण करें, उसका पंजीकरण किया जाएगा। उक्त बातें बुधवार को भगवानपुर देसुआ पंचायत सरकार भवन पर किसानों के वृक्षों का संरक्षण, मूल्य संवर्धन व बाजारीकरण विषय पर एक दिवसीय आयोजित कार्यशाला में बोले मुख्य अतिथि के रूप में आये कृषि वैज्ञानिक।

देसुआ कृषि वैज्ञानिकों व किसानों की कार्यशाला का उद्घाटन करते वैज्ञानिक व अन्य।

इससे पहले किसान-श्री पुरस्कार प्राप्त स्थानीय किसान कौशल प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में आयोजित कार्यशाला का उद्घाटन कृषि वैज्ञानिकों एवं पदाधिकारियों ने दीप प्रज्वलित करके किया। केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान लखनऊ एवं राज्य जैव विविधता परिषद पटना द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जैव विविधता परिषद के राज्याध्यक्ष भारत ज्योति ने संबोधित करते हुए कहा कि आम, जामुन, कटहल, बेल, आंवला, गागर निम्बू के अलावा अगर किसी किसान के पास इमारती वृक्ष चह, बरगद, पीपल, नीम, जलेबी, बड़हर का पेड़ हों तो उन्हें सूचित करें। उस पेड़ को विरासत वृक्ष के रूप में संरक्षित कर उसका पंजीकरण किया जाएगा। इस दौरान उन्होंने जैव विविधता प्रबंधन समिति के कार्यों के बारे में भी विस्तृत जानकारी दिया।

वहीं केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान लखनऊ के प्रधान वैज्ञानिक डा संजय कुमार सिंह ने बिहार में उपलब्ध बीजू आम, बेल, आंवला, कटहल, जामुन, शरीफा, करौंदा, बेर के बारे में बताते हुए कहा कि कृषक किस्म का निबंधन, पौधा किस्म एवं कृषि अधिकार संरक्षण प्राधिकरण नई दिल्ली के माध्यम से करवाने के संबंध में बताया। वैज्ञानिक डा मनोहर मुत्थु कुमार ने कृषक किस्म के व्यवसायिकरण के बारे में बताया। उन्होंने कृषक शोध संस्थान के साझा ज्ञापन जारी करने के लाभ गिनवाए। कृषि विज्ञान केन्द्र विरौली के प्रमुख डा आरके तिवारी ने गरमा मूंग, मोटा अनाज एवं इनके प्रसंस्करण द्वारा विविधता विस्तार पर चर्चा की। कृषि विज्ञान केन्द्र लादा के अध्यक्ष डा सुनीता कुशवाहा ने जैव विविधता में हाइवे (राष्ट्रीय उच्च पथों) के किनारे पौधा लगाकर पेड़ों की संख्या बढ़ाने का उपाय बताया। कृषि विशेषज्ञ डा धीरु कुमार तिवारी ने किसानों के बाग संरक्षण में आनेवाले कठिनाइयों के उपाय करने के बारे में बताया। बिहार राज्य जैव विविधता पटना के संयुक्त निदेशक हेमकांत राय ने जैव विविधता पर राज्य सरकार द्वारा दी जा रही सहयोग के बारे में बताया।